District-level symposium held at Hamidia College

Group photo of the teachers and participants at the symposium on Thursday.

■ **Staff reporter**

A DISTRICT-LEVEL symposium on 'Role of Panchayti Raj in the reinforcement of Democracy' was organised at Hamidia College of Arts and Commerce, as per the instructed by the Higher Education Department, Madhya Pradesh. Total 16 students of 6 different colleges took part in the competition. Dr Vinod Kuar Katare and Dr Meeta Verma were the jury members of the competition. Winner to the competition, Shubham Chouhan said, "The concept of Panchayti Raj is way much older than our struggle for democracy.

Gandhiji believed that the true soul of India lies within its villages, and knew that if there will be a system of complete Panchayti Raj then there all the villages will have the right of full governance and become self dependent. Around 70% of the Indian population still lives in villages, and 2.5 lakh panchayats are functional in the country for its development. Panchayat has the right to take decision akin to a micro-cabinet, of their local area. Anjali Dadoriya of Maharani Laxmibai, who came 2nd, laid emphasis on decentralization of the administration at national level, in her speech. Ashutosh Malviya of Hamidia College along with Vartika Parwale of Satya Sai came third. HOD (Hindi) Dr. Mridula Nigam, HOD(Political Science) Dr Sona Shukla and other senior faculty were present on the occasion.

जिला स्तरीय परिसंवाद प्रतियोगिता में 6 कॉलेजों के 16 छात्रों ने की सहभागिता

लोकतंत्र में पंचायती राज की भूमिका महत्वपूर्ण

भोपाल ◆ शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार युवा संकल्प वर्ष के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय परिसंवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का विषय लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण में पंचायती राज की भूमिका था। इसमें 6 कॉलेजों के 16 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। निर्णायक के रूप में सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. विनोद कुमार कटारे, डॉ. मीता वर्मा और प्रतिभा मरमट रहे। प्रतियोगिता में पहले स्थान पर रहे शुभम चौहान ने कहा की लोकतंत्र में ग्राम पंचायत की अवधारणा बहुत पुरानी हैं। भारत की आत्मा गांवों में बसती हैं।

स्वतंत्रता से पूर्व महात्मा गांधी ने पंचायती राज की कल्पना करते हुए कहा था कि सम्पूर्ण गांव में पंचायती राज होगा, उसके पास पूरी सत्ता और अधिकार होंगे। अर्थात सभी गांव अपने-अपने पैरों पर खड़े होंगे और अपनी जरूरतों की पूर्ति उन्हें स्वयं करनी होगी। आज भी 70 प्रतिशत आबादी गांवों में हैं और देशभर में लगभग ढाई लाख ग्राम पंचायतें निरंतर भारत के विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं।

विकेंद्रीकरण जरूरी

दूसरे स्थान पर रही अंजली ददोरिया ने कहा कि ग्राम स्वराज के सपने को पूरा करने के लिए पूरे देश में विकेंद्रीकरण जरुरी है। यही महात्मा गांधी के राम राज्य की कल्पना थी। तीसरा स्थान हासिल करने वाले आशुतोष मालवीय ने कहा कि अंधविशवास, जात-पात, जैसी समस्याओं के निराकरण तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में पंचायत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

ग्राम स्वराज से ही राम राज्य संभव: चौहान

सत्ता सुधार | भोपाल

शहर के शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार युवा संकल्प वर्ष 19-20 के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय परिसंवाद प्रतियोगिता का आयोजन लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण में पंचायती राज की भूमिका विषय पर किया गया। 6 महाविद्यालयों के 16 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। निर्णायक के तौर पर सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ.विनोद कुमार कटारे, डॉ.मीता वर्मा एवं प्रतिभा मरमट रहे। डॉ.सुष्मिता मिश्रा एवं अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. पीके जैन ने की। प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी शुभम चौहान ने कहा की लोकतंत्र में ग्राम पंचायत की अवधारणा बहुत पुरानी है। गांधी जी के शब्दों में अगर हम इसे समझने की कोशिश करें तो इसे बेहतर ढंग से समझा जा सकता है।

विकेंद्रीकरण थी गांधी के राम राज्य की कल्पना

प्रतिभागी अंजली दंडोतिया ने कहा कि ग्राम स्वराज के सपने को पूरा करने के लिये पूरे देश में विकेंद्रीकरण जरुरी है। यही महात्मा गांधी के राम राज्य की कल्पना थी। पंचायती राज में राजनीतिक दलों का हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए वहां पर स्थानीय लोगों के निर्णय को ही प्राथमिकता दी जाएं।

सुदृढ़ीकरण ही सशक्त लोकतंत्र की नींव

आशुतोष मालवीय ने कहा कि महामारी, अंधविश्वास, जात-पात, छुआछूत जैसी असंख्य बीमारियां सहित अन्य समस्याओं के निराकरण एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में पंचायत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अंततः पंचायती राज व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण ही सशक्त लोकतंत्र की नींव है।

लोकतंत्र में पंचायती राज की भूमिका महत्वपूर्ण

भोपाल, 10 अक्टूबर. शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार युवा संकल्प वर्ष 19-20 के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय परिसंवाद प्रतियोगिता का आयोजन लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण में पंचायती राज की भूमिका विषय पर किया गया जिसमें 6 महाविद्यालयों के 16 प्रतिभागियों ने सहभागिता की. निर्णायक के तौर पर सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ.विनोद कुमार कटारे, डॉ.मीता वर्मा एवं प्रतिभा मरमट रहे. संयोजन डॉ.सुष्मिता मिश्रा एवं अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. पीके जैन ने की. प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी शुभम चौहान ने कहा की लोकतंत्र में ग्राम पंचायत की अवधारणा बहुत पुरानी है. गाँधी जी के शब्दों में अगर हम इसे समझने की कोशिश करें तो इसे बेहतर ढंग से समझा जा सकता है. उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है. स्वतंत्रता से पूर्व उन्होंने पंचायती राज की कल्पना करते हुए कहा था कि सम्पूर्ण गाँव में पंचायती राज होगा,उसके पास पूरी सत्ता और अधिकार होंगे.

जिला स्तरीय परिसंवाद प्रतियोगिता में 6 कॉलेजों के 16 छात्रों ने की सहभागिता

लोकतंत्र में पंचायती राज की भूमिका महत्वपूर्ण

भोपाल • शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार युवा संकल्प वर्ष के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय परिसंवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का विषय लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण में पंचायती राज की भूमिका था। इसमें 6 कॉलेजों के 16 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। निर्णायक के रूप में सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. विनोद कुमार कटारे, डॉ. मीता वर्मा और प्रतिभा मरमट रहे। प्रतियोगिता में पहले स्थान पर रहे शुभम चौहान ने कहा की लोकतंत्र में ग्राम पंचायत की अवधारणा बहुत पुरानी है। भारत की आत्मा गांवों में बसती है।

स्वतंत्रता से पूर्व महात्मा गांधी ने पंचायती राज की कल्पना करते हुए कहा था कि सम्पूर्ण गांव में पंचायती राज होगा, उसके पास पूरी सत्ता और अधिकार होंगे। अर्थात सभी गांव अपने-अपने पैरों पर खड़े होंगे और अपनी जरूरतों की पूर्ति उन्हें स्वयं करनी होगी। आज भी 70 प्रतिशत आबादी गांवों में है और देशभर में लगभग ढाई लाख ग्राम पंचायतें निरंतर भारत के विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं।

विकेंद्रीकरण जरूरी

दूसरे स्थान पर रही अंजली ददोरिया ने कहा कि ग्राम स्वराज के सपने को पूरा करने के लिए पूरे देश में विकेंद्रीकरण जरुरी है। यही महात्मा गांधी के राम राज्य की कल्पना थी। तीसरा स्थान हासिल करने वाले आशुतोष मालवीय ने कहा कि अंधविशवास, जात-पात, जैसी समस्याओं के निराकरण तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में पंचायत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

दैनिक भास्कर

11-Oct-2019
Page 2

हमीदिया कॉलेज में सिम्पोजियम में छात्रों ने बताई बापू की परिकल्पना, कहा-

पंचायती राज में राजनीतिक हस्तक्षेप के बजाय लोगों के निर्णय को महत्वपूर्ण मानते थे बापू

COLLEGE ACTIVITY

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में जिला स्तरीय सिम्पोजियम प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। यह परिसंवाद लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण में पंचायती राज की भूमिका विषय पर हुआ। जिसमें 6 महाविद्यालयों के 16 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। संवाद में पहले स्थान पर रहे प्रतिभागी शुभम चौहान ने कहा कि लोकतंत्र में ग्राम पंचायत की अवधारणा बहुत पुरानी है। महात्मा गांधी के शब्दों में अगर हम इसे समझने की कोशिश करें तो इसे बेहतर ढंग

से समझा जा सकता है। अंजली दंडोतिया ने कहा कि ग्राम स्वराज के सपने को पूरा करने के लिए पूरे देश में विकेंद्रीकरण जरुरी है। यही महात्मा गांधी के राम राज्य की कल्पना थी। पंचायती राज में राजनीतिक दलों का हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए वहां पर स्थानीय लोगों के निर्णय को ही प्राथमिकता दी जाएं। निर्णायक के तौर पर सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. विनोद कुमार कटारे, डॉ मौता वर्मा और प्रतिभा मरमट रहे।

ग्राम स्वराज से ही राम राज्य संभव: चौहान

जिला स्तरीय परिसंवाद प्रतियोगिता में 06 महाविद्यालयों के 16 छात्रों ने की सहभागिता

भोपाल। शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय भोपाल में मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार युवा संकल्प वर्ष 19-20 के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय परिसंवाद प्रतियोगिता का आयोजन 'लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण में पंचायती राज की भूमिका' विषय पर किया गया जिसमें 06 महाविद्यालयों के 16 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। निर्णायक के तौर पर सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ.विनोद कुमार कटारे, डॉ.मीता वर्मा एवं प्रतिभा मरमट रहे। संयोजन डॉ.सुष्मिता मिश्रा एवं अध्यक्षता प्राचार्य डॉ पीके जैन ने की। प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी शुभम चौहान ने कहा की लोकतंत्र में ग्राम पंचायत की अवधारणा बहुत पुरानी है। गाँधी जी के शब्दों में अगर हम इसे समझने की कोशिश करें तो इसे बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है। स्वतंत्रता से पूर्व उन्होंने पंचायती राज की कल्पना करते हुए कहा था कि सम्पूर्ण गाँव में पंचायती राज होगा,उसके पास पूरी सत्ता और अधिकार होंगे। अर्थात सभी गाँव अपने-अपने पैरों पर खड़े होंगे और अपनी जरूरतों की पूर्ति उन्हें स्वयं करनी होगी। आज भी 70 प्रतिशत आबादी गांवों में निवास करती है और देशभर में लगभग ढाई लाख ग्राम पंचायतें निरंतर भारत के विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं।पंचायत 'ग्राम सभा' के रुप में स्थानीय स्तर पर लघु कैबिनेट के तौर पर सभी निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं।अंजली दंडोतिया ने कहा कि ग्राम स्वराजह्व के सपने को पूरा करने के लिये पूरे देश में विकेंद्रीकरण जरुरी है।यही महात्मा गांधी के राम राज्य की कल्पना थी।पंचायती राज में राजनीतिक दलों का हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए वहां पर स्थानीय लोगों के निर्णय को ही प्राथमिकता दी जाएं।